आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–30 अक्टूबर 2024 सान्ध्य समाचार

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली दीपावली पर आयोजित हो रहे भव्य दीपोत्सव के तहत विश्व कीर्तिमान बनाने के लिये पच्चीस लाख से अधिक दीप प्रज्ज्वलित करने का सिलसिला शुरू हो गया है। इसके लिये गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम ने कल ही अयोध्या पहुंचकर दीयों की गिनती शुरू कर दी थी। वहीं पूरे अयोध्या में करीब 35 लाख से अधिक दीये प्रज्ज्वलित किये जा रहे हैं। दीपोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय पर्यटन व संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद हैं। इससे पूर्व आज दोपहर में चार किलोमीटर तक शोभायात्रा निकाली गयी, जिसमें कलाकारों के विभिन्न दलों ने रामायण के विविध प्रसंगों का मंचन किया। शोभायात्रा को प्रदेश के पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शोभायात्रा का श्रद्धालुओं ने जगह–जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

अयोध्या के दीपोत्सव का आठवां संस्करण भी राम भक्तों के लिए अविस्मरणीय हो गया है, दीपोत्सव की शुरुआत शोभा यात्रा की 18 झांकियों से हुई, जिसने रामायण के सात अध्याय को जीवंत करके समाज को समरसता,नारी सम्मान, मित्रता,शिक्षा और भाई भाई के प्रेम का अनूठा संदेश दिया, साथ ही देश के कोने–कोने से आए कलाकारों ने अपनी परंपरा से सांस्कृतिक प्रस्तुति करके देश की अनेकता में एकता को स्थापित किया, इसके बाद संपन्न हुआ राम राज्याभिषेक धर्म जगत के लिए अनूठा कार्यक्रम रहा, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ ही प्रदेश के मंत्रिमंडल के कई सदस्य ने मिलकर रामरथ को रास्ते से खींच कर कार्यक्रम स्थल पहुंचा और वशिष्ठ की भूमिका निभाकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजाराम के माथे पर तिलक लगाकर रस्म संपन्न किया,अब से कुछ देर बाद दीप प्रज्वलन और सरयू आरती का एक नया कीर्तिमान भी स्थापित हो जाएगा। तन्मय सोनी आकाशवाणी समाचार अयोध्या।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामना देते हुए प्रभु श्रीराम से उनकी सुख–समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की है।

****

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश जल निगम को वर्ष दो हजार इक्कीस में विभाजित किये जाने से पहले हुयी जूनियर इंजीनियर, सहायक इंजीनियर, रूटीन ग्रेड क्लर्क समेत तेरह सौ चौदह पदों की भर्ती में दागी मिले एक सौ उनहत्तर अभ्यर्थियों का चयन निरस्त कर दिया है। साथ ही, बाकी एक सौ तिरसठ चयनितों की नियुक्ति मेरिट के तहत करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति अजित कुमार ने समराह अहमद सहित सैकड़ों अन्य याचियों की बत्तीस याचिकाओं को निस्तारित करते हुए यह आदेश सुनाया।

****

प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार आधार कार्ड का उपयोग कर के प्रदेश में जीरो पावर्टी स्कीम की शुरूआत कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सखी योजना महिलाओं के सशक्तीकरण के लिये महत्वपूर्ण है, जिसमें उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य और वित्तीय सशक्तीकरण पर ध्यान दिया गया है। इस योजना में आधार का महत्वपूर्ण योगदान है। मुख्य सचिव आज लखनऊ में आधार से जुड़ी योजनाओं के प्रभाव को बढ़ाने के लिये एक राज्य स्तरीय कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आधार की मदद से लाभार्थी की पहचान की पुष्टि होती है, जिससे धोखाधड़ी की सम्भावनायें कम हो जाती है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दी जाने वाली आर्थिक मदद सीधे लाभार्थियों के खाते में पहुंचाई जा सकती है।

****

प्रदेश में रीयल एस्टेट कारोबारियों पर सख्ती करते हुए स्टैम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग ने फ्लैट, मकान या जमीन के पंजीकरण के समय अनुबंध को अनिवार्य कर दिया है। अनुबंध न कराने पर रजिस्ट्री के समय स्टॉम्प चोरी के तहत कार्रवाई करने के साथ ही जुर्माना भी लगाया जायेगा। रीयल एस्टेट रेगुलेटरी एथॉरिटी यानी रेरा अलग से कार्रवाई करेगा। स्टाम्प एवं पंजीयन मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि नब्बे प्रतिशत मामलों में जमीन और फ्लैट का पंजीकरण करते समय अनुबंध नहीं किया जाता है। बिल्डर केवल रसीद काट देते हैं, ऐसे में उन पर कार्रवाई नहीं हो पाती है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामले रेरा के दायरे में भी तभी आते हैं जब परियोजना पंजीकृत होती है और बिल्डर व ग्राहक के बीच अनुबंध हुआ रहता है।

****

नीट यूजी दो हजार चौबीस के तहत चौथे चरण में एमबीबीएस और बीडीएस कोर्स में आवंटित सीटों पर आज से अभ्यर्थियों का प्रवेश शुरू हो गया है, जो पांच नवम्बर तक जारी रहेगा। इस चरण में सीट छोड़ने वाले अभ्यर्थियों को अगले वर्ष के लिये प्रतिबंधित किया जायेगा। यह अभ्यर्थी वर्ष दो हजार पच्चीस–छब्बीस की एमबीबएस और बीडीएस कोर्स की प्रवेश काउंसिलिंग में हिस्सा नहीं ले सकेंगे।

****

यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इण्टरमीडिएट की परीक्षा में ड्यूटी करने वाले शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को अब पहले से अधिक पारिश्रमिक मिलेगा। हाईस्कूल की एक कॉपी जांचने पर शिक्षकों को अभी तक ग्यारह रूपये दिये जाते थे, अब उन्हें चौदह रूपये मिलेंगे। वहीं इण्टरमीडिएट की एक कॉपी जांचने पर तेरह रूपये की जगह पन्द्रह रूपये दिये जायेंगे। वर्ष दो हजार उन्नीस के बाद कॉपी जांचने के पारिश्रमिक में यह बढ़ोत्तरी की गयी है। अगले वर्ष फरवरी या मार्च में होने वाली यूपी बोर्ड की परीक्षा में कुल चौवन लाख अड़तीस हजार विद्यार्थी शामिल होंगे। विशेष सचिव माध्यमिक आलोक कुमार की ओर से जारी आदेश के अनुसार कक्ष निरीक्षक की ड्यूटी करने पर अब शिक्षकों को रोजाना के छानबे रूपये की जगह सौ रूपये मिलेंगे।

****